मगध विश्वविद्यालय, बोधगया

स्नातकोत्तर समाजशास्त्र विभाग

दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी - रिपोर्ट

दिनांक: 14 मई, 2026

आज दिनांक **14 मई, 2026** को मगध विश्वविद्यालय, बोधगया के स्नातकोत्तर समाजशास्त्र विभाग में दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी के उद्घाटन सत्र का आयोजन माननीय कुलपति**प्रो. एस.पी. शाही** की अध्यक्षता में किया गया। इस गौरवपूर्ण आयोजन को **'नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ़ एड्यूकेशनल प्लैनिंग एंड एडमिनिस्ट्रेशन' (NIEPA)** नई दिल्ली द्वारा प्रायोजित एवं वित्त पोषित किया गया है।

चित्र *1:* माननीय कुलपति प्रो. एस.पी. शाही एवं अन्य गणमान्य अतिथियों द्वारा दीप प्रज्ज्वलित कर संगोष्ठी का शुभारंभ।

संगोष्ठी का उद्देश्य एवं उद्घाटन

संगोष्ठी का औपचारिक उद्घाटन दीप प्रज्ज्वलित कर किया गया। इस कार्यक्रम के संयोजक समाजशास्त्र विभाग के विभागाध्यक्ष **प्रोफ़ेसर दीपक कुमार** ने सभी अतिथियों का भावपूर्ण स्वागत किया। आयोजन सचिव**डॉ. चांदनी रोशन** ने संगोष्ठी के मुख्य विषय और इसकी प्रासंगिकता से सभी को परिचित कराया।

मुख्य विमर्श: मुख्य वक्ता **प्रो. कुमार सुरेश** ने बताया कि बिहार में NIEPA द्वारा वित्त पोषित यह पहली संगोष्ठी है। इसका उद्देश्य **राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 (NEP 2020)** को जमीनी स्तर पर लागू करने की चुनौतियों और समाधानों पर गंभीर अकादमिक मंथन करना है।

प्रमुख वक्ता एवं विशेषज्ञ

उद्घाटन सत्र में मुख्य वक्ता के रूप में NIEPA नई दिल्ली के डायरेक्टर (प्लैनिंग एंड डेवलपमेंट) **प्रोफेसर कुमार सुरेश** और विशिष्ट वक्ता के रूप में सामाजिक विकास परिषद (CSD) नई दिल्ली के पूर्व निदेशक **प्रोफेसर अशोक पंकज** ने अपने विचार साझा किए।

चित्र 2: संगोष्ठी में उपस्थित विभागाध्यक्ष, शिक्षक एवं शोधार्थी।

अकादमिक सत्र एवं शोध प्रस्तुति

संगोष्ठी के द्वितीय सत्र (पूर्णाधिवेशन सत्र) की अध्यक्षता **प्रोफेसर बीरेंद्र कुमार सिंह** (बी.आर.ए. बिहार विश्वविद्यालय, मुजफ्फरपुर) ने की। इस सत्र में जामिया मीलिया इस्लामिया की **प्रो. मनीषा त्रिपाठी पाण्डेय** एवं दक्षिण बिहार केंद्रीय विश्वविद्यालय के **प्रो. प्रवीण कुमार** ने अपने शोध-पत्रों के माध्यम से नीति कार्यान्वयन पर गहन प्रकाश डाला।

इस अवसर पर छात्र कल्याण अध्यक्ष**प्रोफेसर प्रमोद कुमार चौधरी** एवं मानविकी संकाय की संकायाध्यक्ष**प्रोफेसर निभा सिंह** भी गरिमामय उपस्थिति में मंच पर विराजमान रहीं। मंच का कुशल संचालन**डॉ. अनन्या स्वराज** ने किया, जबकि धन्यवाद ज्ञापन **डॉ. किशोर कुमार** एवं **श्री राहुल सिंह** द्वारा किया गया।

उपस्थिति: इस कार्यक्रम में विभिन्न संकायों के संकायाध्यक्ष, विभागाध्यक्ष, प्रो. मुकेश कुमार, डॉ. प्रियम शर्मा, डॉ. वंदना कुमारी, डॉ. कविता कुमारी, डॉ. प्रीति चंदन, डॉ. कुमारी रती, डॉ. रघुवंश सिन्हा सहित भारी संख्या में शिक्षक, शोधार्थी और छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

प्रमुख विक्ताओं के विचार

मुख्य वक्ता **प्रोफेसर कुमार सुरेश** ने अपने वक्तव्य में राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के संबंध में की चुनौतियों के संबंध में कहा की प्रारंभिक दौर में राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 को लेकर काफी संशय की स्थिति थी लेकिन वर्तमान में शिक्षा जगत से जुड़े लोग इसे जानने और समझने का निरंतर प्रयास कर रहे हैं । उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 का मुख्य उद्देश्य भारतीय शिक्षा व्यवस्था को अंतर्राष्ट्रीय मानकों के समक्ष लाना है।

वहीं विशिष्ट वक्ता **प्रो. अशोक पंकज** ने बिहार के छात्रों का शिक्षा के लिए अन्य राज्यों में प्रवास के संबंध में कहा कि जब तक हम राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 को गंभीरता से लेते हुए इसे लागू करने में स्थानीय चुनौतियों को हल नहीं करेंगे तब तक हम बिहार के शिक्षा व्यवस्था में मूलभूत सुधार नहीं ला पाएंगे।

आज के दूसरे सत्र में जामिया मिलिया इस्लामिया विश्वविद्यालय नई दिल्ली की **प्रोफेसर मनीष त्रिपाठी पांडे** ने अपने वक्तव्य के दौरान राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के साथ आलोचनात्मक दृष्टिकोण अपनाते हुए इसकी संरचनात्मक चुनौतियां, असमानता, अधिगम संबंधी समस्या, डिजिटल समावेशन, डिजिटल साक्षरता, भाषा की विविधता आदि समस्याओं को रेखांकित किया।

वहीं दूसरे वक्ता दक्षिण बिहार केंद्रीय विश्वविद्यालय गया जी के राजनीति विज्ञान विभाग के **प्रोफेसर प्रवीण कुमार** ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 को राजनीतिशास्त्रीय दृष्टिकोण से समझने पर जोर दिया। उन्होंने अपना उद्बोधन ने कहा कि कई बार सरकारे विशेष नीतियां विशेष आवश्यकताओं को ध्यान में रखकर बनाती हैं उसमें उनका भी राजनीतिक स्वार्थ निहित होता है इसलिए हमें राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 को लेकर हमारे पूर्व अवधारणाओं को पर ध्यान में रखते हुए उसके तार्किक क्रियान्वयन पर जोर देना होगा।

© 2026 मगध विश्वविद्यालय, बोधगया | समाजशास्त्र विभाग रिपोर्ट